



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

अ. 130।

सं. 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 27, 1980 (पौष 6, 1902)

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 27, 1980 (PAUSA 6, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जारी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	661	किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के प्रावेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) *	
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रकल्पों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	4633	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राविकारियों द्वारा विधि के प्रभतर्गत बनाए और जारी किए गए प्रावेश और अधिसूचनाएं *	
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	25—	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि- सूचित विधिक नियम और आदेश *	
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1457	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीकाक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च व्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 13853	
भाग II—खण्ड 1—प्राधितियम, अध्यावेश और विनियम	—	भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई प्रदिसूचनाएं और नोटिस 629	
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खण्ड 3—मूल्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राविकार से जारी की गई अधिसूचनाएं 83	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राविकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के प्रभतर्गत बनाए और जारी	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की कोई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि- सूचनाएं, आवेश, विज्ञापन और नोटिस गमिल हैं 4663	
*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई	1—381 GI/80	भाग IV—उप-सरकारी व्यक्तियों और गैर- सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस 217	

CONTENTS

PART	SECTION	PAGE	
PART I	SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	661	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. *
PART I	SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1633	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. *
PART I	SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. *
PART I	SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1457	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India
PART II	SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..
PART II	SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners
PART II	SECTION 3.—Sub-Sec. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies
			PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..
			13853
			629
			83
			4663
			217

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा भारी की गई विधितर नियमों, विज्ञियों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं. 84—प्रेज/80—इस सचिवालय की दिनांक 10 अप्रैल, 1974 को अधिसूचना संख्या 53-प्रेज/74 का अधिक्रमण करते हुए “टैरिटोरियल आर्मी डेकोरेशन” और “टैरिटोरियल आर्मी मैडल” से संबंधित अध्यादेश सर्व-साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

राष्ट्रपति जी दो पुरस्कार प्रारम्भ करते हैं जिनका नाम “टैरिटोरियल आर्मी डेकोरेशन” (प्रादेशिक सेना अलंकरण) और “टैरिटोरियल आर्मी मैडल” (प्रादेशिक सेना मैडल) होगा और इस निमित्त निम्ननिखित अध्यादेश बनाते तथा व्यवस्थापित एवं स्थापित करते हैं जो एक हजार नौ सौ इक्यांशवेर्ष के पन्द्रहवें दिन से लागू हुए माने जायेंगे।

टैरिटोरियल आर्मी डेकोरेशन

प्रथम :—यह अलंकरण “टैरिटोरियल आर्मी डेकोरेशन” (प्रादेशिक सेना अलंकरण) कहलाएगा।

द्वितीय :—चांदी का बना यह अलंकरण अंडाकार होगा। इसके मुख्य भाग पर रिम के साथ-साथ कमल की माला बनी होगी। देन्द्र भाग में सेना का मुलम्मा चढ़ा पंचकोणीय सितारा समुद्रभूत होगा, और सितारे के ऊपरी कोण पर सोने का मुलम्मा चढ़ा राज्य चिह्न अंकित होगा। इसके अंडाकार पर केन्द्र में पंखुड़ियाँ और पत्तों सहित कमल कमुदभूत होंगी। जिसके ऊपर चापाकार में “अङ्गों सेवा के लिए” शब्द अंकित होंगे। इस अलंकरण का एक मुद्रांकित चित्र भुरक्षित रखा जाएगा।

तृतीय :—यह अलंकरण चांदी की जड़ाऊ पट्टी से बिसर “टैरिटोरियल” शब्द समुद्रभूत होगा, 3.157 मी० मी० ग्रैडाई के रेशमी रिबन द्वारा लटकाया जाएगा। हर रिबन सफेद रंग की चार खड़ी रेखाओं से पांच आरियों में विभक्त होगा। इनमें बीच वाली धारी तरी रंग की होगी और शेष चार धारियां नीली होंगी। तीरी रंग की धारी की चौड़ाई नीली धारी से दुगनी होगी। तीरी रंग त्याग और बलिदान का प्रतीक है, नीला निष्ठा और सफेद शुचिता का।

चतुर्थ :—यह अलंकरण प्रादेशिक सेना के कमीशन कर्मी को निर्धारित रैंक की 20 दर्जी की प्रशंसनीय सेवा

के लिए प्रदान किया जाएगा। इसके लिए अर्हक सेवा की गणना इसके बाद प्रागे दी गई शर्तों के प्रनुसार की जाएगी।

पंचम :—निम्ननिखित सेवा दोहरी अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी :—

- (क) भूतपूर्व इंडियन टैरिटोरियल फोर्स अथवा भूतपूर्व आक्सीलियरी फोर्स (इंडिया) के अफसरों द्वारा 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच युद्ध ध्वनि में की गई कमीशन सेवा की अवधि;
- (ख) भूतपूर्व इंडियन टैरिटोरियल फोर्स अथवा भूतपूर्व आक्सीलियरी फोर्स (इंडिया) के अफसरों द्वारा 3 सितम्बर, 1939 और 2 सितम्बर, 1945 के बीच भारत में कमीशन सेवा में शामिल होकर की गई सेवा की अवधि; और
- (ग) सरकार द्वारा धोषित आपात स्थिति के दौरान प्रादेशिक सेना में कमीशन सेवा में शामिल होकर की गई सेवा की अवधि।

षष्ठ :—निम्ननिखित सेवा दोहरी अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी :—

- (क) प्रादेशिक सेना में कमीशन सेवा;
- (ख) “इंडियन टैरिटोरियल फोर्स” में अथवा भूतपूर्व “आक्सीलियरी फोर्स” (इंडिया) की सक्रिय सूची में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच की गई कमीशन सेवा;
- (ग) थल सेना, नौ सेना और वायु सेना में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच की गई कमीशन सेवा;
- (घ) सरकार द्वारा धोषित आपात स्थिति के दौरान थल सेना, नौ सेना और वायु सेना में की गई कमीशन सेवा;
- (ङ) थल सेना में जूनियर कमीशन अफसर, ऐर-कमीशन अफसर या अन्य रैंक के रूप में और नौ सेना तथा वायु सेना में समकक्ष रैंकों में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच युद्ध ध्वनि में की गई सेवा;

- (च) इंडियन टैरिटोरियल फोर्स अथवा आक्सीलियरी फोर्स (इंडिया) में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच जूनियर कमीशन, गैर-कमीशन अफसर अथवा अन्य रैंक के रूप में की गई सम्मिलित सेवा; और
- (छ) सरकार द्वारा घोषित आपात स्थिति के दौरान प्रादेशिक सेना में जूनियर कमीशन अफसर, गैर-कमीशन अफसर और अन्य रैंक के रूप में की गई सम्मिलित सेवा।

सप्तम्—निम्नलिखित सेवा अर्ध-अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी :—

- (क) प्रादेशिक सेना में ऊपर धारा षष्ठि और सप्तम में समाविष्ट सेवा से भिन्न जूनियर कमीशन अफसर, गैर-कमीशन अफसर अथवा अन्य रैंक के रूप में की गई सेवा;
- (ख) तत्कालीन इंडियन टैरिटोरियल फोर्स में अथवा तत्कालीन आक्सीलियरी फोर्स (इंडिया) की सत्रिय सूची में भारत में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच जूनियर कमीशन अफसर, गैर-कमीशन अफसर अथवा अन्य रैंक के रूप में की गई असम्मिलित सेवा;
- (ग) यह सेना में जूनियर कमीशन अफसर, गैर-कमीशन अफसर अथवा अन्य रैंक के रूप में और नौ सेना तथा वायु सेना के समकक्ष रैंकों में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच की गई सेवा; और
- (घ) सरकार द्वारा घोषित आपात स्थिति में थल सेना में जूनियर कमीशन अफसर, गैर-कमीशन अफसर अथवा अन्य रैंक के रूप में और नौसेना तथा वायु सेना में समकक्ष रैंकों में की गई सेवा।

अष्टम्—जिस सेना में किसी अफसर ने दक्षता अलंकरण के लिए अर्हत प्राप्त की हो, उसमें की गई सेवा की कोई भी अवधिं “टैरिटोरियल आर्मी डॉकोरेशन” के लिए अर्हक सेवा के रूप में नहीं गिनी जाएगी।

नवम्—इस अलंकरण के लिए अरेक्षित अर्हक सेवा का अविच्छिन्न सेवा हीना ज़रूरी नहीं होगा।

दासृ—विषय अरुपर के पास दक्षता अलंकरण या कोई दोई सेवा प्रोग्राम अवधार मंडन अथवा दक्षता मैडल प्रोर क्रास्ट पढ़ने में हो हो वह टैरिटोरियल आर्मी डॉकोरेशन प्राप्त करने का पात्र होगा और उन्हें पहल सकेगा ज्ञाते कि इस तरह के पुरस्कारों के लिए अरेक्षित अर्हक सेवा की संपूर्ण अवधि उसने पूरी की हो और यह कि किसी एक पुरस्कार के लिए की गई अर्हक सेवा दूसरे पुरस्कार को पात्रन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

एकादश—अलंकरण प्राप्तकर्ता द्वारा विशेष अवसरों पर धारण किए जाने वाले अलंकरण का लघुरूप, अलंकरण

का अधा होगा और उस लघु रूप का एक मुद्रांकित प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

द्वादश—राष्ट्रपति किसी व्यक्ति को प्रदान किए गए अलंकरण को रद्द और भमान कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्राप्तकर्ता को वह अलंकरण वापस करना होगा। लेकिन अलंकरण को रद्द किए जाने व भमान किए जाने के बाद भी राष्ट्रपति को गहर अधिकार होगा कि अपने आदेश को वापस लेकर वह अलंकरण पुनः प्रदान कर दें।

त्रिंतिम्—इन अध्यादेशों के प्रयोगनों की पूर्ति के लिए सरकार यथावश्यक अनुदेश तैयार करने के लिए सक्षम होगी।

टैरिटोरियल आर्मी मैडल

प्रथम्—यह मैडल ‘टैरिटोरियल आर्मी मैडल (प्रादेशिक सेना मैडल)’ कहलाएगा।

द्वितीय—चांदी का बना यह मैडल अंडाकार होगा जिसमें दो पत्तियों के रूप में रिवन लगाने और एक नक्काशी के लिए स्थान नियत होगा। नक्काशी पर “टैरिटोरियल” शब्द समुद्रभूत होगा। मैडल के मुख्यभाग में राज्य-चिन्ह समुद्र-भूत होगा और पृष्ठ भाग में “अच्छी सेवा के लिए शब्द” अंकित होंगे। इस मैडल का कलात्मक प्रदान किए जाने पर बार द्वारा उसका प्रदर्शन किया जाएगा जिसके केन्द्र भाग में अशोक चक्र समुद्रभूत होगा और इसे मैडल के रिवन पर पहना जाएगा। मैडल का एक मुद्रांकित प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

तृतीय—यह मैडल गहरे नीले रेशमी रिवन द्वारा लटकाया जाएगा त्रिसकी चौड़ाई 3.175 सेंटी मीटर होगी। यह रिवन पाँच खड़ी रेशमों द्वारा छः बारबर धारियों में विभक्त किया जाएगा। बीच की खड़ी रेशम संतरी रंग की होगी और येप चार रेशमां सफेद होंगी। संतरी रंग त्याग और बलिशन का प्रतीक है, नौना निष्ठा का और सफेद शुचिता का।

चतुर्थ—यह मैडल प्रादेशिक सेना के जूनियर कमीशन अफसरों, गैर-कमीशन अफसरों और अन्य रैंकों को 12 वर्ष की दक्षता सेवा के लिए प्रदान किया जाएगा। इसके लिए अर्हक सेवा की गणना इसके बाद आगे दी गई शर्तों के अनुसार की जाएगी।

पंचम्—निम्नलिखित सेवा दृष्टिरी अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी :—

- (क) तत्कालीन इंडियन टैरिटोरियल फोर्स या तत्कालीन आक्सीलियरी फोर्स (इंडिया) के सदस्यों द्वारा 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच युद्धक्षेत्र में की गई सेवा की अवधि;
- (ख) तत्कालीन इंडियन टैरिटोरियल फोर्स (इंडिया) के सदस्यों द्वारा 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच भारत में की गई सम्मिलित सेवा; और

(ग) सरकार द्वारा घोषित आपात स्थिति के दौरान प्रादेशिक सेना में की गई समिलित सेवा।

पष्ठ.—निम्नलिखित सेवा इकही अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी :—

(क) प्रादेशिक सेना में सेवा;

(ख) नक्कालीन इंडियन टैरिटोरियल फोर्स में या तत्कालीन आक्सीलियरी फोर्स (इंडिया) की सश्रिय सूची में 3 सितम्बर, 1939 से 2 सितम्बर, 1945 के बीच की गई सेवा;

(ग) धन सेना, नी सेना और वायु सेना में 3 सितम्बर, 1939 से 2 गितम्बर, 1945 के बीच की गई सेवा; और

(घ) सरकार द्वारा घोषित आपात स्थिति के दौरान धन सेना, नी सेना और वायु सेना में की गई सेवा।

सप्तम :—क्लास्प, जिसे मैडल के रिबन पर पहना जाएगा, उन लोगों को प्रदान किया जाएगा जो, यह मैडल प्रदान किए जाने पर कुल 18 वर्ष की दक्ष सेवा पूरी कर लेते हैं और कुल 24 वर्ष की दक्ष सेवा पूरी करने पर उन्हें एक और क्लास्प प्रदान किया जाएगा। जब बिना मैडल के रिबन पहना गया हो तो क्लास्प मिलने पर उसे रिबन के ऊपर चांदी के छोटे रीजेट पहन कर प्रदेशित किया जाएगा। जिसे क्लास्प मिले हों उतनी संख्या में रीजेट पहने जायेंगे।

आठम :—जिसे सेना में दीर्घ सेवा, अच्छा व्यवहार या दक्षता मैडल क्लास्प के लिए सेवा पहने ही गिनी जा चुकी हो उसमें की गई सेवा की कोई भी अवधि टैरिटोरियल आर्मी मैडल के लिए अर्हक सेवा के रूप में नहीं गिनी जाएगी।

नवम :—इस मैडल के लिए अपेक्षित सेवा का अविभिन्न सेवा होना जरूरी नहीं होगा।

दशम :—दीर्घ सेवा, अच्छा व्यवहार या दक्षता मैडल और क्लास्प प्राप्तकर्ता टैरिटोरियल मैडल और क्लास्प प्राप्त करने का पाव होगा और उन्हें पहन सकेगा बास्ते कि इन पुरस्कारों के लिए अपेक्षित अर्हक सेवा की संपूर्ण अवधि उसने पूरी की हो और यह कि किसी एक पुरस्कार के लिए की गई अर्हक सेवा दूसरे पुरस्कार के लिए नहीं गिनी जाएगी।

एकादश :—मैडल प्राप्तकर्ता द्वारा विशेष अद्दरो पर धारण किए जाने वाले मैडल का लघुरूप, मैडल का आधा होगा और उस लघुरूप का एक मुद्रांकित प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

द्वादश :—राष्ट्रपति किसी व्यवित को प्रदान किए गए मैडल को रद्द और समाप्त कर मकते हैं। ऐसी स्थिति में प्राप्तकर्ता को वह मैडल वापस करना होगा। लेकिन मैडल

को रद्द किए जाने व समाप्त किए जाने के बाद भी राष्ट्रपति को यह अधिकार होगा कि अपने ग्रादेश को वापस लेकर वह मैडल पुनः प्रदान कर दें।

अंतिम :—इन अध्यादेशों के प्रयोगनों की पूर्ति के लिए सरकार व्यथावश्यक अनुदेश तैयार करने के लिए सक्षम होगी।

बी० के० दर,
राष्ट्रपति का सचिव

नई विल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर, 1980

सं 85-प्रेज/80-शुद्धिपत्र-दिनांक 29 भार्च, 1980 के भारत के राजपत्र के भाग-1, खण्ड 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं. 31-प्रेज/80, दिनांक 26 जनवरी, 1980 में शुद्धित करने हेतु :—

ऋग सं. 36 मे

वास्ते : “कार्यकारी लैफिटेट कमांडर (एस.डी.जी.) कृष्ण लाल वर्मा (80046-वाई.)”।

पढ़े : “कार्यकारी लैफिटेट कमांडर (एस.डी.जी.) कृष्ण लाल वर्मा (80046-वाई.)”।

(सू. नीलकण्ठ) राष्ट्रपति का उप सचिव

लोक सभा सचिवालय

(पी० य० ग्र० ग्राव)

नई विल्ली-110001, दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं 4/1-पी० य०/80—श्री पी० प० संगमा उपमंत्री नियुक्त हो जाने पर सरकारी उत्तरमें संबंधी मामिति (1980-81) के सदस्य नहीं रहे। उनके स्थान पर श्री हीरालाल आर० परमार सदस्य सौक सभा 28-11-1980 को विश्ववृ मामिति के सदस्य निर्वाचित हुए।

एस० पी० ग्राव
राष्ट्रपति वित्तीय मामिति अधिकारी

गृह मन्त्रालय

नई विल्ली-110001, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं १००-१३०१९/२/८०-ए० ए००-ग्राम्य-राष्ट्रपति भारत भरकार गृह मन्त्रालय की तारीख 16 गितम्बर, 1980 की अधिगृहीत सं. १००-१३०१९/२/८०-ए० ए०० ए०० को रद्द करते हैं।

सं १०० १३०१९/२/८०-ए० ए०० ए००—भगव-भगव पर नगोंडन भारत भरकार गृह मन्त्रालय का दृष्टिकोण 24 प्रमाण, 1972 की अधिगृहीत सं. २६/३/७१-ए०० ए०० ए०० के पैदा ३(१) ३(३) और ४(६) के अनुसार मै राष्ट्रपति अंद्रभान तथा निकोबार हीप समूह के संघ यारिय थेट के संबंध में मलाहकार मामिति की भवस्पता के लिए निम्नलिखित नीत अक्षियों की नामिन करते हैं जो 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए संघ शामिल थेट के मुख्य आयक्त संगठन द्वारा :—

1. श्री लोका स्टेट ब्रिंग समूह के नियामी

2. श्रीमती गाता लक्ष्मण मिश्र पोर्ट लेन्सर नियामी

3. श्री रम मिश्र सेट निकोबार नियामी

उप सचिव (ए० ए०० ए००)
उप सचिव (ए० ए०० ए००)

गृह मंसालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नियम

मर्फी विल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1980

फा० सं० 12/2/81के० स० II—संघ सोक मेवा आयोग द्वारा
1981 में निम्नलिखित मेवाओं/पशुओं की अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के
लिये आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जान-
कारी के लिये प्रकाशित किय जाने हैं:-

- (i) भारतीय विदेश सेवा (अ) -- (आशुलिपिक उपसंचयों का प्रण-II)
 - (ii) ऐनों वोई तत्त्विकालय आशुलिपिक सेवा प्रेषण-ग (उक्त प्रेषण की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिये)
 - (iii) केन्द्रीय तत्त्विकालय आशुलिपिक सेवा प्रेषण-ग (इस प्रेषण की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिये)।
 - (iv) संस्थान सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा प्रेषण-ग, और
 - (v) मारन सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा सम्बद्ध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पर जो भारतीय विवेस भवा द्वा/ऐनो वोई तत्त्विकालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय संचालन आशुलिपिक सेवा/संस्थान सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

१. उपर्युक्त विश्वासीयों/पत्रों में से किसी एक या एक से अधिक सेवा सम्बन्धित 'रीझा' में प्रवेश के लिये कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। वह इनमें से वित्ती विवाहीयों/पत्रों के लिये विचार किये जाने का छच्छब्द है, उनमा उल्लेख अपने आवेदन-पत्र में कर सकता है।

नोट 1 -उम्मीदवारों को आहिये कि वे जिन सेवांपांच/पदांच के लिये विचार किये जाने के इच्छुक हों, उनका वरीयता क्रम स्पष्ट कृपा भे त्रिवृद्ध दें।

उम्मीदवारों द्वारा लिंगिण्ड उन सेवाओं/पर्यावरण के बरीपता कम में परिवर्तन से सम्बद्ध फिसो अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जायेगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख ने 30 दिन के प्रत्यक्ष पृथक् लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

नोट 2 —इस परीक्षा के माध्यम से अभी करने वाले कुछ विभागों/ कार्यालयों की केवल अप्रेजी आशुलिंगिकों की ही आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परिणामों के प्राधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में में को आयेगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अप्रेजी के आशुलिंगिक परीक्षण के प्राधार पर आयोग द्वारा घन्ताशृंखला किया जाता है (दृष्टिभ्यः नियमावली के परिस्लिष्ट I का पैरा 4)।

2. परीक्षा के परिणामों के ग्राधार पर भरी जाने वाली रिप्पितयों की संख्या ग्राधोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जारेंगी। अनु-सूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा यो निश्चित ग्रन्तियों को देखते हुए ग्राधारित रखे जायेंगे।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों से अभिप्राय निम्नलिखित प्रादेशों में उल्लिखित जातियों/जनजातियों में से किसी एक से है:—

आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संघोधन) प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथासंशोधित, संविधान (वाददरा और नागर हवेली), अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (वाददरा और नागर हवेली), अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिकेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और कीव), अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागरजैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशास्त्र I में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की सारीख और स्थान प्रायोग द्वारा निर्धारित किए जायेंगे।

4. (1) उम्मीदवार को या सो-

(क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या

(ख) नेपाल की प्रजा, यह

(ग) भूटान की प्रजा, या

(ध) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने के दरादे से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(क) कोई भारत भूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा संजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जांबिया, मलाथी, जेरे, इथियोपिया और वियत्नाम से आया हो :

परंतु (ख), (ग), (थ) और (ड) बर्गों के प्रत्यंत आने वाले इमीदवार के पास भारत भग्नार हारा जारी किया गया पात्रता (एस-जिबिलटी), प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह भी कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) के बगों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) -- (आशुलिपिक उप-संबंध का मैट-II) ये नियमित के लिए पाव नहीं होंगे।

(2) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिसके लिए प्राप्ति प्रमाण-पत्र ग्रावेस्टक हों, परीक्षा में वैठने दिया जा सकता है परंतु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा ग्रावेस्टक प्रमाण-पत्र दिया जाने पर ही दिया जाएगा।

5. ऐसे किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तीन से अधिक बार छेड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का नहीं है। किन्तु यह प्रतिवर्ष 1962 में हुई परीक्षा से प्रभावी होगा।

पोट 1—इस नियम के प्रयोजन के लिए परीक्षा में श्रावित्राय है आशुलिपिक परीक्षा, आशुलिपिक (श्रावात्कालीन कर्मीशन/भृत्याकालीन कर्मीशन प्राप्त निर्मुक्त ग्रंथिकारी तथा भूतपूर्व संक्लिप) परीक्षा तथा आणु-लिपिक (भूतपूर्व संक्लिप परीक्षा)।

नोट 2--यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के प्रतियोगिता में बैठे तो इन नियम के प्रयोग के लिए उग उम्मीदवार को परीक्षा के मन्तरगत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

मोट 3—किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा रखा माना जाएगा, जब वह यास्ट्रेव में किसी एक या अधिक विषयमें की परीक्षा में बैठा हो।

नोट 4—उम्मीदवार के परीका में उपस्थित होने को उसके द्वारा लिया गया एक अवसर गिना जाएगा चाहे वह परीका हेतु श्रयोग्य छहरा दिया जाए। उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाए।

6. (क) इस परीक्षा में प्रवेश के लिए यह प्रावधानक है कि उम्मीदवार की आय 1 जनवरी, 1981 को परे 18 वर्ष की हो गई हो कित्त

उसकी आयु पूरे 25 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1956 से पहले और 1 जनवरी, 1963 के बाद न हुआ हो।

(ज) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है जो, संघ राज्य धनेकों के प्रशासनों अथवा नियन्त्रित आयोग तथा केन्द्रीय सत्रांता आयोग और लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधीन व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक (जिनमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल हैं) लिपिक/आशुटंकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हों और 1 जनवरी, 1981 को जिम्मेदार आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक संसेत) लिपिकों/आशुटंकों के रूप में कम से कम तीन वर्ष निरन्तर सेवा की तथा उक्त पदों पर तभी तक काम कर रहे हों :

परन्तु उपर्युक्त आयु संबंधी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पहले यी गई परीक्षाओं के आधार पर नियन्त्रित में से किसी में आशुलिपिकों के रूप में नियुक्त किए जा चुके हैं।

- (1) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा प्रेड-ग, या
- (2) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक रोका प्रेड-ग, या
- (3) भारतीय विदेश रोका (ख) आशुलिपिक उप-संवर्ग का प्रेड-II, या
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा प्रेड-ग।

नोट 1—इकाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल इकाक छंटाईकारों द्वारा की गई तिवा उपर्युक्त नियम 6 (ख) के प्रयोजन के लिए सिपिक के प्रेड में दी गई सेवा मानी जाएगी।

नोट 2—रक्षा प्रतिरक्तामों में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6 (ख) के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु-सीमा में नियन्त्रित मामलों में और ढील दी जा सकती :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और प्रकृत्वात्, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1954 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन, 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा या तांजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रवासन किया हो या जांबिया, भलाबी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वर्मा से मद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के कालस्वरूप सेवा में नियुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के कालस्वरूप सेवा में नियुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए गंदर्भ के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा में नियुक्त किये गए सीमा सुरक्षा दल के रक्षा कामिकों के लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(xii) वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच गंदर्भ के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा में नियुक्त दीमा सुरक्षा दल ने उन रक्षा कामिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारंपरिक हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-छतावास द्वारा जारी किया गया आदातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1978 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।

क्षमता की गई अवधि की छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी तात्पर्य में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें :—(i) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र में जैने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा में त्यागपत्र दे देता है या विचार द्वारा उसकी सेवायें समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन पत्र में जैने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित) /लिपिक/आशुटंक जो सकार प्राधिकारी के अनुबोधन ने संवर्ग वाला पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है परन्तु उसका धारानाधिकार उस पद पर है जिसमें वह रक्षानान्तरित किया गया था, यदि वह अन्यथा पात्र है परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7. उम्मीदवार ने भारत के केन्द्र या राज्य विभान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विषविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा वाली शासकी हो, अथवा उसके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड के द्वारा माध्यमिक स्कूल कोसे के अस्त में एकल लीकिंग, माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल परीक्षा या कोई और प्रमाण-पत्र हो जो राज्य सरकारों की नीकरी में प्रवेश के लिये मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष हो।

नोट 1—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा के दी है जिसके पाग करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिये भौतिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा कान की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अहंक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

नोट 2—विणेप परिस्थितियों में संबंध सोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई अहंता नहीं, बल्कि, कि उम्मीदवारों ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्वर आयोग के मतानुसार देसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उच्च परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

8. उन सभी उम्मीदवारों को जो पहले से सरकारी नौकरी में, आकास्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैंसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत में काम कर रहे हों, तो यह परिवर्तन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपनी कार्यालय/विभाग के अवृत्त को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपातता के बारे में आयोग का निर्णय अनितम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में सब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (साटिफिकेट आफ एडमीशन) न हो।

11. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 7 में निर्धारित फीस देनी होगी।

12. जिस उम्मीदवार ने—

- किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साक्षन कराया है, अथवा
- जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रत्युत किये हैं जिनमें सभ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- गलत या झूठे बक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित अवधार अनुचित उपायों का गहारा लिया है, अथवा
- परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हुए जो अशील भाषा में या अमद्र भाष्य की हों, या
- परीक्षा में और किसी प्रकार का दृर्घवहार किया हो, या
- परीक्षाएं बताने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अविपूर्णता हो,
- उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अवधार किसी भी कार्य के द्वारा आयोग का अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपाराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्युशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उपे—
- आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है जिसने बैठने के लिये आयोग ठहराया जा सकता है, अथवा

- उसे अस्थाई रूप में अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अद्यवा चयन के लिये।
- यदि वह सरकार के अधीन पहले में ही मेवा वे हैं तो उसके विष उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यान्वयी की जा सकती है।

किन्तु यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्र तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अस्थावेदन जो वह पेना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर म दिया गया हो, और
- उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अस्थावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर दिया गया हो।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तिकारों के आधार पर उसके योग्यताक्रम के अनुसार उनके नामों की भूमि बनाएगा और उस क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को अहंता शाप समझेगा, उनके साम अपेक्षित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक मेवा के प्रेषण तथा रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक मेवा की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिये और हर परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अन्य सेवाओं/पदों में अनारकित नियमित के लिये अपेक्षित संख्या तक के नामों की अनुसंधान की जाएगी।

परन्तु यदि सापान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्षितों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिये आयोग द्वारा स्तर में लूप्ट बैकर, जाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक मेवा के प्रेषण-गरिलिंग बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक मेवा की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिये अनुशंसित किए जा सकेंगे अवश्य कि वे उम्मीदवार हन मेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों।

14. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को व्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विषेष मेवाओं/पदों के लिये बताए गए वरीयता क्रम पर उचित व्यान दिया जाएगा (व्रद्धिया: आवेदन-पद्ध का कालम 14)।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा परिणाम की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग परीक्षा परिणाम के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास होने साक्ष से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट नहीं हो जाए कि उम्मीदवार चरित तथा पूर्व वृत्त की वृष्टि से इस मेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से बीम्य है।

17. जिस व्यक्ति ने

- ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहने से हो, या
- जीवित पति/पत्नी के रूपे हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिये पाक नहीं माना जाएगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से गंतुष्ट हो जाए कि ऐसे विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैष्णविक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हों, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से लूप्ट हो सकती है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होने चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संवेदित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में भागने कर्तव्यों को कृशलतापूर्वक

निभाने में बाधक हो। यदि सकाम विधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बारे में यह कात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिनकी नियुक्ति के संबंध में विवार किये जाते की संभावना हो।

नोट—भूतपूर्व रक्खा सेवा के विकलाग कार्यक्रमों के संबंध में रक्खा सेवा के डिमोक्रोलाइजेशन में डिक्सिलिपि और द्वारा दिया गया स्वस्यता प्रयाण-पत्र नियुक्ति के लिये पर्याप्त समझा जाएगा।

19. इस परीक्षा के द्वारा जिम सेवा के लिये घर्ती की जा रही है उसके संविधान विवरण परिशिष्ट II में दिये गये हैं।

भाग ० पृ० ० बंसल, उप सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिये दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

भाग क—लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया	समय	पूर्णांक
(i) सामान्य अंग्रेजी	2 घण्टे	100	
(ii) निबन्ध	2 घण्टे	100	
(iii) सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100	

भाग क—हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपिक परीक्षा (लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले के लिये)—300 अंक

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपिक बोर्ड टंकन मर्शीन पर लिप्यन्तर करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिये उन्हें अपनी टक्कण मर्शीन लानी होगी।

2. सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों में बस्तुपूरक प्रकार के प्रश्न होंगे, प्रश्नों के नमूने, सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (प्रयुक्ति II) के साथ लगी उम्मीदवारों के लिये सूचना पुस्तिका देखिए।

3. लिखित परीक्षा के लिये पाठ्य विवरण तथा आशुलिपि परीक्षाओं की योजना उस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवार "निवन्ध" के प्रश्न-पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) या अंग्रेजी में दे सकते हैं। यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र पर लागू होगा न कि उसके किसी भाग पर।

जिन उम्मीदवारों ने निबन्ध के प्रश्न-पत्र का उत्तर देने के लिये हिन्दी (देवनागरी) का विकल्प दिया है, यदि वे चाहे, तो कोठकों में तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अंग्रेजी अपांतर कोठकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प दें उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल हिन्दी (देवनागरी) में ही दी जाएगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर अंग्रेजी में लिखने का विकल्प दें उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही दी जाएगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (हिन्दी और अंग्रेजी) दोनों में तैयार किये जायेंगे।

नोट 1—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के प्रश्न (ii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक हों, तो यह विकल्प आवेदन-पत्र के कालम 19 में लिखें। अन्यथा यह माना जाएगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम समझा जाएगा और उत्तर कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2—जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि नियुक्ति के बाबू सीखनी होगी।

नोट 3—जो उम्मीदवार किसी विदेश में स्थित भारतीय मिशन पर परीक्षा देना चाहता है उसे विदेश स्थित किसी ऐसे भारतीय मिशन पर अपने वर्ष पर स्टेनोग्राफी परीक्षण देना होगा जहां ऐसा परीक्षण करने की अवस्था मूलम है।

5. लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र (i) सामान्य अंग्रेजी केवल अंग्रेजी में ही तैयार किया जाएगा और सभी उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही उत्तर दिये जायेंगे।

6. जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट बांने शुतुलेख में न्यूनतम अर्हता प्राप्त कर लेंगे उन्हें 100 शब्द प्रति मिनट बांने शुतुलेख में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के क्रम में ऊंचा रक्का जायेगा। प्रत्येक शूप में उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिये गये कुछ अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रबलता अनुक्रम में रखा जायेगा (ब्रॉडब्यू: निम्न-लिखित अनुसूची का भाग छ)।

7. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

8. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिये बुलाया जायेगा जो आयोग की विषयाका के अनुसार अनुसूचि अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

10. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जायेंगे।

11. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों में पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत अंक काट दिये जायेंगे।

12. निबन्ध के प्रश्न की परीक्षा पत्र में क्रम से कम शब्दों में, क्रम-बद्ध, प्रधाव पूरी ढांग से और ठीक-ठीक की गई भावांभव्यक्ति की विशेष महत्व दिया जायेगा।

अनुसूची

भाग क

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

नोट—भाग 'क' के प्रश्न पत्रों का स्तर, लिखावट वही होगा जो किसी भारतीय विषयविद्यालय की मैट्रिक्युलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य अंग्रेजी—यह प्रश्न पत्र दृष्टि से तंपार किया जाएग कि इससे उम्मीदवार के अंग्रेजी व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान की तबा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जांच जाएगी जायेंगे। इस प्रश्न-पत्र में शब्दों के शुद्ध प्रयोग, आसान मुहावरों और प्रधाव (प्रीपोजीशन), शब्दरेक्ट और इनडायरेट स्पीच प्रादि जामिल किये जा सकते हैं।

निबन्ध—उम्मीदवारों को दो प्रकरणों पर निबन्ध लिखना होगा। विषय चुनने की सूची दी जायेगी। उनसे यह आशा की जायेगी कि वे अपने विवार व्यवस्थित रूप से निबन्ध के विषय के संबंध में ही संक्षिप्त रूप से लिखेंगे। प्रधावपूर्ण ढांग से तथा ठीक-ठीक भाव व्यक्त करने वालों को श्रेय दिया जाएगा।

सामान्य ज्ञान—निम्नलिखित विषयों की योड़ी बहुत जानकारी—

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनायें, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और भार्यिक भूगोल, वर्तमान घटना क्रम, सामान्य विज्ञान और विज्ञान प्रतिविद्या तजरीजी ज्ञानकी जानकारी पक्के लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से

मह प्रकट होना चाहिए कि उन्हें प्रश्नों को अच्छी तरह से उमड़ा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्यपुस्तक के ब्योरे वार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है।

भाग ख

आशुलिपि परीक्षा की घोषना

आशुलिपि परीक्षाओं की घोषना अंतर्जी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रूतनेत्र परीक्षाएं होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिये और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिये जो उम्मीदवारों को क्रमागत: 45 तथा 50 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रूतनेत्र परीक्षाएं होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिये और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिये जो उम्मीदवारों को क्रमागत: 60 तथा 65 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

परिणाम II

उन केवाओं/पत्रों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिये हम परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही हैं:—

क—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा में इस समय निम्नलिखित चार प्रेड हैं:—

प्रेड क: रु. 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

प्रेड ख: रु. 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

प्रेड ग: रु. 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

प्रेड घ: रु. 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

प्रेड-ख से प्रेड-क में पदोन्नत हुए व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु. 775/- पर निर्धारित कर दिया गया है। प्रेड ग से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में रु. 710 पर निर्धारित किया जाएगा।

(2) उक्त सेवा के प्रेड-ग में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़े सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़े सकती हैं।

(3) परिवेक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थाई कर सकती है या यदि उसका कार्य प्रश्नवा आवरण सरकार की राय में प्रासन्तोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवेक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बड़ा सकती है।

(4) सेवा के प्रेड ग में भर्ती किये गये व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसकी किसी भी समय विसी भी ऐसे प्रत्यं मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के प्रेड ग में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में समय समय पर लागू नियमों के अनुसार अग्रणी उच्चतर प्रेड में पदोन्नत किये जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के प्रेड ग में उसके अपने विकल्प के अनुसार की जायेगी, ये उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के संबंध प्रश्नवा रेल बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में प्राप्ति किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

व—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपि सेवा।

(क) (i) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपि सेवा में इस समय निम्न चार प्रेड हैं:—

प्रेड क:—रु. 650 (775)-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

प्रेड ख:—रु. 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

प्रेड ग:—रु. 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

प्रेड घ:—रु. 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

प्रेड ख से प्रेड क में पदोन्नत व्यक्तियों को उक्त वेतनमान में रु. 775/- प्रति माह न्यूनतम वेतन दिया जाता है।

प्रेड ग से प्रेड ख में पदोन्नत व्यक्तियों को उक्त वेतनमान में रु. 710/- प्रति माह न्यूनतम वेतन दिया जाता है।

(ii) उक्त सेवा के प्रेड ग में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परिवेक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण देना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उसीर्ण करनी पड़ेगी जो सरकार समय समय पर निर्धारित करे। परिवेक्षा अवधि के समाप्त होने पर यह यह पाया गया कि सरकार की राय में उनमें से किसी भी व्यक्ति का कार्य या प्राचरण असंतोषजनक रहा है तो उसे सेवा मुक्त किया जा सकता है या उसकी परिवेक्षा की अवधि को सरकार द्वारा अपेक्षित अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

(iii) उक्त सेवा के प्रेड ग में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में समय समय पर लागू नियमों के अनुसार अग्रणी उच्च प्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(अ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपि सेवा रेल संचालन तक ही सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय प्राशुलिपि सेवा की तरह कमचालियों का कार्य मंत्रालयों में स्थानान्तरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किये गये रेलवे बोर्ड आशुलिपि सेवा के अधिकारी:—

(i) पेंशन लाभ के पात्र होंगे सथा

(ii) सेवा में आने की तारीख को नियुक्त रेल कर्मचारियों पर लागू गर अंशवायी राज्य रेल भविष्य निधि के अधीन उक्त नियम में अधिकार करेंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपि सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार पात्र और विशेषाधिकार टिकट आदेश का हक्कदार होगा।

(इ) जहाँ तक अवकाश तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राशुलिपि सेवा में सम्मिलित स्टाफ के साथ वैसा ही बदल दिया जाता है जैसे कि रेलवे के अन्य स्टाफ से, किन्तु जिकिस सुविधालयों के भासमें में वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू नियमों से शांतिगत होंगे जिनका मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

ग—भारतीय विदेश सेवा (ख)—आशुलिपिकों का उपसंगर्ब।

भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपियों के उप संबंध में इस समय निम्नलिखित चार प्रेड हैं:—

चयन प्रेड:—रु. 775-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

प्रेड I:—रु. 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

प्रेड II:—रु. 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

प्रेड III:—रु. 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(प्रेड-ग से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु. 710/- पर निर्धारित किया जाएगा।)

2. इस सेवा के प्रेड-ग में भर्ती किये गये व्यक्ति वे वर्ष की परिवेक्षा पर होंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित

प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देने पड़ सकती हैं। परिवेश की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या प्राप्तवाण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसको परिवेश की अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बड़ा सकती है।

3. भारतीय विदेश सेवा (शाखा-ख) आशुलिपिकों के उप संबंध-II में नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा शाखा-ख (प्रार० स०० एस० पी०) नियमावली 1964, भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० स०० ए०) नियमावली 1961 जो भारतीय विदेश सेवा 'ख' के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किये जाएं, द्वारा शामिल होते हैं।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) विदेश मंत्रालय और विदेश में भारतीय विदेशों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी वाणिज्य मंत्रालय को छोड़कर सामान्यतया अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं किये जा सकते। परन्तु वे विदेशों में अन्य मंत्रालयों में नियमित पर्यावरण पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय आयोर्सों आदि में भी नियुक्त किये जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी, उन स्थानों सहित जहां परिवार का कोई भी सदस्य साध नहीं रखना होता, सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को विदेशों में, उनके मूल वेतन के प्रतिरिक्षित उस दर से विशेष भत्ता दिया जाएगा, जो सबदृष्ट देशों के निवाहि छाचे आदि के आधार पर समय-समय पर स्थोरिकार किया जाए। इसके प्रतिरिक्षित भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विदेश सेवा (पी० एस० स०० ए०) नियमावली, 1961 के अनुमार विदेश सेवा अवधि में निम्नलिखित विधियों की स्वीकार्य होती है:

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क मुगाजित आवाय।
- (ii) सहायतार्थ चिकित्सा परिवर्त्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिवर्त्या सुविधाएं।
- (iii) 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिये जो भारत में पड़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत में तथा दूसरा विदेश में अधिकारी की तैनाती से इसर किसी अन्य देश में पड़ रहा हो करिपय शर्तों के अधीन वायु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा आवाय। यदि सरकारी कर्मचारी के भारत में विशेष प्राप्त कर रहे 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच दो दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे विदेश में अपने भाता पिता के पाग यात्रा करने वाले दो बच्चों के बचने अपनी पत्ती की छुट्टियों के बीच भारत भेजने का विकल्प होगा। ऐसे किसी यामये में सरकारी कर्मचारी की पर्सी सस्ती से मस्ती उपलब्ध थेणी से आयु साथ द्वारा वापसी यात्रा अव्यय की हकदार होती।
- (iv) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष के अधिक से अधिक दो बच्चों का विशेष भत्ता।
- (v) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निश्चित दरों के अनुमार विदेशों में सेवा करने के सबध में सज्जाकरण भत्ता। नाधारण सज्जाकरण भत्ता के प्रतिरिक्षित असाधारण ठन्डी जलवायु वाले देशों में नियुक्त अधिकारियों को विशिष्ट सज्जाकरण भत्ता प्राप्त होगा।
- (vi) विहित नियमों के अनुमार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर जाने की छुट्टी का यात्रा किया।

6. केन्द्रीय विविन सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 को समय-समय पर संशोधित किये गये हैं, करिपय संशोधनों के अधीन इस सेवा के गवस्त्यों पर लागू होते हैं। ये अधिकारी कुछ पढ़ोमी वेशों को छोड़कर विदेश सेवा में केन्द्रीय विविन सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के अधीन प्राप्त छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा कर सकते हैं।

7. उक्त अधिकारी जो भारत में होते, तो ऐसी विधायतों के हकदार होते, जो ब्राह्मण तथा एक समाज स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये प्राप्त होते हैं।

8. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारी सामान्य अविद्या निष्ठि (केन्द्रीय सेवाये) नियमावली, 1960 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, तथा उसके अन्तर्गत जारी किये गये आवेदनों द्वारा शासित होते हैं।

9. इस सेवा में नियुक्त अधिकारी केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है और इसके प्रत्यार्गत जारी किये गए आवेदनों के द्वारा शासित होते हैं।

प—सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा।

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं—

1. ग्रेड क—आशुलिपिक (निजी सचिव) —पुप ख—प्राजपत्रित (चयन ग्रेड I)

वेतनमान :—र० 650* (775)*-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

*ग्रेड ख से पदोन्नत किये गये अधिकारियों को न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

2. ग्रेड ख आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) —पुप ख—राजपत्रित।

वेतनमान र० 650 (710)+-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

+ग्रेड ख से पदोन्नत किए गए अधिकारियों को न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

3. ग्रेड ग आशुलिपिक (वैयक्तिक सहायक) पुप ख—प्रारजपत्रित वेतनमान : र० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-780-द० रो०-25-800।

4. ग्रेड-घ आशुलिपिक—पुप ग।

वेतनमान : र० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

2. ग्रस्ताई आशुलिपिक ग्रेड-ग (वैयक्तिक सहायक) के रूप में सीधे भर्ती किये गये अस्तित्व दो वर्ष तक परिवेशाधीन रहेंगे। इस अवधि में यदि असंतोषजनक सेवा अभिलेख रहा, तो परिवेशाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवेशाधीन अवधि में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया ग्रेड ग का आशुलिपिक सामान्यतः सशस्त्र सेना मुख्यालय और दिल्ली/नई दिल्ली स्थित अंतर सेवा संगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। वह दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर अन्य स्थानों पर भी नियुक्त किया जा सकता है जो सेवा जी हाँ सशस्त्र सेना मुख्यालय/प्रस्तर सेवा संगठन के कार्यालय स्थित हों।

4. ग्रेड ग के आशुलिपिक ग्रेड-ख (वैयक्तिक सहायक) के पदों पर पदोन्नति के लिये पात्र होते और ग्रेड ख आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) समय-समय पर लागू किये गये नियमों के अनुसार ग्रेड क के आशुलिपिक (निजी सचिव) के रूप में पदोन्नति के पात्र होते।

5. छुट्टी विविन सहायता और सेवा की अवधि शर्त वही है जो सशस्त्र सेना मुख्यालय और अंतर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक समार्गीय कर्मचारियों के लिये लागू है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 10th December 1980

No. 84-Press/80.—In supersession of this Secretariat Notification No. 53-Press/74 dated the 10th April, 1974, the Ordinances relating to the "TERRITORIAL ARMY DECORATION" and the "TERRITORIAL ARMY MEDAL" are republished for general information.

The President is pleased to institute two awards to be designated the "TERRITORIAL ARMY DECORATION" and the "TERRITORIAL ARMY MEDAL" and to make, ordain and establish the following Ordinances which shall be deemed to have effect from the fifteenth day of August in the year One thousand Nine Hundred and Fifty one.

TERRITORIAL ARMY DECORATION

Firstly :—The decoration shall be styled and designated the "TERRITORIAL ARMY DECORATION".

Secondly :—The decoration shall be oval in shape, made of Silver. On the obverse it shall have a lotus wreath along the rim, a five pointed star in Gold gilt embossed in the Centre and the State Emblem in Gold gilt resting on the upper point of the star. On the reverse it shall have a lotus flower with buds and leaves embossed in the centre and the words "अर्जुनी सेना के लिए" in the form of an arch above it. A sealed pattern of the Decoration shall be deposited and kept.

Thirdly :—The decoration shall be suspended from a Silver bar brooch, with the word "TERRITORIAL" embossed thereon, by a silk ribbon 3.175 centimetres in width. The ribbon shall be divided into 5 stripes by 4 white vertical lines. The stripe in the centre shall be orange and the other four stripes blue. The width of the orange stripe shall be double that of a blue stripe. The orange colour denotes renunciation and sacrifice, blue devotion and white purity.

Fourthly :—The decoration shall be an award to Commissioned Officers of the Territorial Army for 20 years meritorious service of proved capacity. The qualifying service shall be reckoned in accordance with the conditions herein-after mentioned.

Fifthly :—The following service shall count as two-fold qualifying service :—

- (a) The period of commissioned service rendered in a theatre of war by an officer of the late Indian during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;
- (b) Embodied commissioned service in India by an Officer of the late Indian Territorial Force or the late Auxiliary Force (India) during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945; and
- (c) Embodied commissioned service in the Territorial Army during an emergency declared by Government.

Sixthly :—The following service shall count as single qualifying service :—

- (a) Commissioned service in the Territorial Army;
- (b) Commissioned Service in the Late Indian Territorial Force or on the active list of the Late Auxiliary Force (India) during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;
- (c) Commissioned Service in the Army, the Navy and the Air Force during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;
- (d) Commissioned Service in the Army, the Navy and the Air Force during an emergency declared by Government;
- (e) Service rendered as a Junior Commissioned Officer, Non-Commissioned Officer or Other Ranks in the Army and equivalent ranks of the Navy and Air Force in a theatre of war during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;

- (f) Embodied service as a Junior Commissioned Officer, Non-Commissioned Officer or Other Ranks of the Indian Territorial Force or the Auxiliary Force (India) during the period 3rd September, 1939 to 2nd September 1945; and
- (g) Embodied service as a Junior Commissioned Officer, Non-Commissioned Officer or Other Ranks in the Territorial Army during an emergency declared by Government.

Seventhly :—The following service shall count as half-qualifying service :—

- (a) Service as a Junior Commissioned Officer, Non-Commissioned Officer or Other Ranks in the Territorial Army other than that covered by clauses sixthly and seventhly;
- (b) Unembodied service as a Junior Commissioned Officer, Non-Commissioned Officer or Other Ranks in the late Indian Territorial Force or on the active list of the late Auxiliary Force in India, during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;
- (c) Service as a Junior Commissioned Officer, Non-Commissioned Officer or Other Ranks in the Army or equivalent rank in the Navy and the Air Force during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945; and
- (d) Service rendered as a Junior Commissioned Officer Non-Commissioned Officer or Other Ranks in the Army or equivalent ranks in the Navy and the Air Force during an emergency declared by Government.

Eighthly :—No period of service in the force in which an officer qualified for the Efficiency Decoration shall be reckoned as qualifying service for the Territorial Army Decoration.

Ninthly :—Service requisite to qualify for the decoration shall not necessarily be continuous service.

Tenthly :—An officer already in possession of the Efficiency Decoration or any long service and Good Conduct Medal or Efficiency Medal and Clasp shall be eligible to receive the Territorial Army Decoration and to wear them provided that he has completed the full period of qualifying service for such awards and that no qualifying service towards one award is permitted to count towards the other.

Eleventhly :—The miniature decoration which may be worn on certain occasions by those to whom the decoration is awarded shall be half the size of the decoration and a sealed pattern of the said miniature decoration shall be deposited and kept.

Twelfthly :—The President may cancel and annul the award of the decoration to any person and he shall be required to surrender the decoration; but it shall be competent for the president to restore the decoration subsequently when such cancellation and annulment has been withdrawn.

Lastly :—It shall be competent for the Government to frame such instructions, as may be necessary, to carry out the purposes of these ordinances.

TERRITORIAL ARMY MEDAL

Firstly :—The Medal shall be styled and designated the "TERRITORIAL ARMY MEDAL".

Secondly :—The medal shall be oval in shape, made of Silver, with a fixed fitting for the ribbon in the form of two leaves and a scroll on which shall be embossed the word "TERRITORIAL". On the obverse, it shall have embossed the State Emblem and on the reverse the inscription "अर्जुनी सेना के लिए". The award of a clasp to the medal shall be denoted by a bar with the ASHOKA CHAKRA embossed in the Centre to be worn on the ribbon of the medal. A sealed pattern of the medal shall be deposited and kept.

Thirdly :—The medal shall be suspended by a ribbon of dark blue silk, 3.175 centimetres in width. It shall be divided into six equal stripes by five vertical lines. The central

vertical line shall be orange in colour and the remaining four lines shall be white. The orange colour denotes renunciation and sacrifice, blue devotion and white purity.

Fourthly :—The medal shall be an award to Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and Other Ranks of the Territorial Army for 12 years efficient service. The qualifying service shall be reckoned in accordance with the conditions hereinafter mentioned.

Fifthly :—The following service shall count as two fold qualifying service :—

- (a) The period of service rendered in a theatre of war by a member of the late Indian Territorial Force or the late Auxiliary Force (India) during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;
- (b) Embodied Service in India by a member of the late Indian Territorial Force or the late Auxiliary Force (India) during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945; and
- (c) Embodied service in the Territorial Army during an emergency declared by Government.

Sixthly :—The following service shall count as single qualifying service :—

- (a) Service in the Territorial Army;
- (b) Service in the late Indian Territorial Force or on the active list of the late Auxiliary Force (India) during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945;
- (c) Service in the Army, the Navy and the Air Force during the period 3rd September, 1939 to 2nd September, 1945; and
- (d) Service in the Army, the Navy and the Air Force during an emergency declared by Government.

Seventhly :—A clasp to be worn on the ribbon of the medal, shall be awarded to those who having been awarded the medal complete a total of 18 years efficient service and a further clasp shall be awarded after completing 24 years service. When the ribbon is worn without the medal, the grant of clasps shall be denoted by the wearing on the ribbon of small Silver rosettes, one or more according to the number of clasps awarded.

Eighthly :—No period of service in the force which has previously been counted for any Long Service, Good Conduct or Efficiency Medals/Clasps shall be reckoned as qualifying service for the Territorial Army medal.

Ninthly :—Service requisite to qualify for the medal shall not necessarily be continuous service.

Tenthly :—The recipient of any Long Service, Good Conduct or Efficiency Medal and Clasps shall be eligible to receive the Territorial Army Medal and clasps and to wear them, provided that he has completed the full periods of qualifying service for such awards, and that no qualifying service towards one award is permitted to count towards the other.

Eleventhly :—The miniature medal which may be worn on certain occasions by those to whom the medal is awarded shall be half the size of the medal and a sealed pattern of the said miniature medal shall be deposited and kept.

Twelfthly :—The President may cancel and annul the award of the medal to any person and he shall be required to surrender the medal; but it shall be competent for the president to restore the medal subsequently when such cancellation and annulment has been withdrawn.

Lastly :—It shall be competent for the Government to frame such instructions, as may be necessary, to carry out the purposes of these ordinances.

V. K. DAR, Secy. to the President.

New Delhi, the 16th December 1980

No. 85-Pres./80.—*Corrigendum*.—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 31-Pres./80, dated the 26th January 1980, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated the 29th March, 1980 :—

At Serial No. 36

For "Actg. Lt. Cdr (SDG) Krishan Lal Verma, (88046-Y)".

Read "Actg. Lt. Cdr (SDG) Krishan Lal Verma, (88046-Y)".

S. NILAKANTAN, Dy. Secy. to the President.

LOK SABHA SECRETARIAT (P.U. BRANCH)

New Delhi-110 001, the 29th November 1980

No. 4/1-PU/80.—Shri Hiralal R. Parmar, Member, Lok Sabha has been duly elected on 28-11-1980 to the Committee on Public Undertakings (1980-81) vice Shri P. A. Sangma, who ceased to be a Member of the Committee on his appointment as a Deputy Minister.

S. P. CHANANA, Sr. Financial Committee Officer.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 5th December 1980

No. U. 13019/2/80-ANL.—President is pleased to cancel the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. U. 13019/2/80-ANL dated the 16th September, 1980.

No. U. 13019/2/80-ANL.—In pursuance of paragraphs 3(2), 3(3) and 4 (6) of Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. 26/3/71-ANL dated the 24th August, 1972, as amended from time to time, the President is pleased to nominate the following three persons to be the members of the Advisory Committee in respect of the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands associated with the Chief Commissioner of the Union Territory for the period ending 31st March, 1981 :—

1. Shri Loka, resident of Strait Island.
2. Smt. Shanta Lachman Singh, resident of Port Blair.
3. Shri Ram Singh, resident of Great Nicobar.

UMA PILLAI, Dy. Secy.

(DEPTT. OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 27th December, 1980

No. 12/2/80-CSII.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1981 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts are published for general information :

- (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' sub cadre);
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade);
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade);
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C; and
- (v) Posts of Stenographer in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts, for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing, would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

NOTE 2.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers; and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (c.f. para 4 of Appendix I to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Orders, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes), (Union Territories) order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes), (Union Territories) Order, 1951, [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttai Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Castes, order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. (1) A candidate must be either:

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-Cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe shall be permitted more than three attempts at the examination but this restriction shall be effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, the examination will mean the Stenographers' Examination, the Stenographers (Released EC/SSC/Officers and ex-servicemen) Examination and the Stenographers' (ex-servicemen) Examination.

NOTE 2.—For the purpose of this rule a candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 3.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 4.—Notwithstanding the disqualification/cancellation of candidature the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

6. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1981 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1956 and not later than 1st January, 1963.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including Language Stenographers)/Clerks/Stenotypists in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including Language Stenographer)/Clerk/Stenotypist on 1st January 1981 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographer's Service Grade C, or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers' Sub Cadre, or
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade C.

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate Offices of P. & T. Deptt. shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(B) above.

NOTE 2.—Service rendered by Service clerks employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 6(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;

- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (viii) up to maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes; and
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE
RELAXED.**

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above shall be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A stenographer (including language Stenographer)/ Clerk/Stenotypist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. Candidates must have passed the Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School

Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

NOTE 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidate must pay the fee prescribed in para 7 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service and Railway Board, Secretariat Stenographers' Service upto the required number and for appointment upto the number of unreserved vacancies in other Services/posts decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for inclusion in the Select List of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service and Railway Board Secretariat Stenographers' Service and for appointment to vacancies in other Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. Subject to other provisions contained in these Rules, due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts at the time of his application (cf. col. 14 of the application form).

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for the appointments to the Service/post.

17. No person.

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

O. P. BANSAL,
Deputy Secretary

APPENDIX 1

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time allowed	Maximum Marks
i) General English	2 hours	100
(ii) Essay	2 hours	100
(iii) General Knowledge	2 hours	100

PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST).

..... 300 Marks

NOTE.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The papers in General English and General knowledge will consist of Objective Type questions, for details including sample questions please see Candidates' Information Manual appended to Comission's Notice (Annexure II).

3. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

4. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) 'Essay' either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to complete paper and not to a part thereof.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid paper in Hindi (Devanagari) will be required to take the Shorthand Tests also in Hindi (Devanagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid paper in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Question papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English.

NOTE 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) Essay of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in col. 9 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The option once exercised shall be treated as final, and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE 2.—Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography, and vice versa, after their appointment.

NOTE 3.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

5. Paper (i) General English of the Written Test will be set in English only.

6. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged inter se in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf. Part B of the Schedule below).

7. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

8. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

9. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for Shorthand Test.

10. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

11. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

12. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

SCHEDULE

PART A

Standard and syllabus of the written test

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

General English.—The paper will be designed to test the candidates knowledge of English Grammar and Composition and generally their power to understand and ability to write correct English. The paper may include questions on correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech etc.

Essay.—Candidates will be required to write an essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay, to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

General Knowledge.—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events everyday science and such matters of everyday observation as may be expected of an educated person. Candidates, answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

PART B

Schedule of Shorthand Tests

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

The shorthand tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination

A. The Central Secretariat Stenographers Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows—

Grade A : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—830—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum pay of Rs. 775 in the scale. Persons promoted from Grade C are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale.

(2) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade C of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service scheme. They may however at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade C of the Service in pursuance of their claim for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service scheme.

B. The Railway Board Secretariat Stenographers Service.

(a)(i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :—

Grade A : Rs. 650(775)—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum of pay of Rs. 775/- in the scale.

Persons promoted from Grade C to Grade B are allowed a minimum salary of Rs. 710/- in the scale.

(ii) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(d) The candidate appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board Secretarial Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. Indian Foreign Service (B) Stenographers Sub-cadre

The Stenographers Sub-cadre of the I.F.S. (B) has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

- Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.
 Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—30—700—EB—25—800.
 Grade III : Rs. 300—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale).

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or the conduct of any of them, in the opinion of the Government has been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The officers appointed to Grade II of the S.S.C. of the I.F.S. (Branch 'B') will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are, however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family stations.

5. During Service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Annual return air passage for children upto a maximum of two children between the ages of 8 and 21 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between ages of 8 and 21 studying in India, he shall have the option to send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such a case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.
- (iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rate prescribed by Government from time to time.
- (v) Outfit allowance in connection with service abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries, where abnormally cold climatic conditions exist.

(vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

6. Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time will apply to members of the service, subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Service (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the IFS(B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

D. Armed Forces Headquarters Stenographers Service

The AFHQ Stenographers' Service has at present, four grades as follows :

1. Grade A Stenographers (Private Secretary) Group B—Gazetted (Selection Grade).

Scale of pay—Rs. 650(*775)—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

*Guaranteed minimum for those promoted from Grade B.

2. Grade B Stenographers (Senior Personal Assistants) Group B—Gazetted.

Scale of pay—Rs. 650 (@710)—30—740—35—880—EB—40—1040.

@Guaranteed minimum for those promoted from Grade C.

3. Grade C Stenographers (Personal Assistants) Group B—Non-Gazetted.

Scale of pay—Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

4. Grade D Stenographers—Group C.

Scale of pay—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

2. Persons recruited direct as temporary stenographers' Grade C (Personal Assistants) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time, prescribe.

3. Stenographers' Grade C recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where office of AFHQ/IS Organisations may be located.

4. Stenographers' Grade C will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade B (Senior Personal Assistants) and Stenographers' Grade B, (S.P.As) will be eligible for promotion to Stenographer Grade A (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical Aid and other conditions of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations.